



नयी दिल्ली धूम्रपान के दुष्प्रभावों के लेकर जागरूकता पैताना के साथ साथ परोक्ष धूम्रपान के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता पैताना भी अत्यंत जरूरी है और विशेषज्ञों का कहना है कि घर में कि कव्यक्ति भी अगर धूम्रपान करता है तो वह घर के अन्य सदस्यों के समय से पहले मौत के करीब पहुंचा देता है

राजधानी के राजीव गांधी कैसर इन्स्टीट्यूट के मेडिकल ऑकेलॉजी वंभाग के कन्सल्टेंट डॉ. उल्लास बत्रा ने भाषा के बताया कि कजलती हुई सगिरेट से निकलने वाले कुल धुं का काफी भाग धूम्रपान करने वाले के अंदर जाता है कि लेकिन इसके बावजूद, 66 प्रतिशत धुं हवा में घुल कर उसे धूम्रपान जतिना ही जहरीला बना देता है कि जाहरि है कि घर के अन्य लोग इस जहर से कैसे बच पां गे

डॉ. म्स में ऑकेलॉजिस्ट डॉ. पी के जुल्क ने कहा कि अगर तंबाकू के उत्पादों की वजह से कि कबार अनुवांशिकि पर असर पं। और जीन प्रभावति हो ग कि तो इसका खामयाजा आने वाली पीं तक भुगतती है कि धूम्रपान करने वाला व्यक्ति इस बात का अनुमान कभी नहीं लगा पाता कि वह अपनी ही पीं के लं किन सा खतरा पैदा कर रहा है

डॉ. बत्रा ने कहा कि धूम्रपान करने वाला व्यक्ति धुं के साथ जतिना टार और निकोटिनि लेता है उससे कहीं ज्यादा टार, निकोटिनि धुं के साथ निकल कर हवा में पहुंचता है कि इस धुं में पांच गुना ज्यादा कार्बन मोनोऑक्साइड, अमोनिया और कैडमथिम होते हैं कि इसमें जहरीली गैस हाइड्रोजन सायनाइड होती है जिसमें नुक्सानदायक नाइट्रोजन डाइऑक्साइड होता है और यह फेफ्ों तथा हृदय रोगों का मुख्य कारण होता है

स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. अरचना धवन बजाज ने कहा कि सगिरेट का धुं गर्भवती महिला और उसके अजनमे बच्चे के लं खतरनाक होता है कि इससे गर्भपात हो सकता है और गर्भस्थ शशि में वृत्तिक खतरा होता है कि धूम्रपान करने वाले पति के संतान होने की वजह से पहले ही शशि के गुणसूत्र की वृत्ति तथा अन्य बीमारयां होने की आशंका होती है कि मां धूम्रपान नहीं करती, लेकिन पति की सगिरेट का धुं मां और बच्चे के लं नुक्सानदेह होता है

डॉ. बत्रा ने कहा कि तंबाकू तथा परोक्ष धूम्रपान के लेकर जागरूकता पैताना बहुत जरूरी है कि मतिर मंडली में अगर कि कदोस्त धूम्रपान करे और बाकी न करें तो शेष के लं यह धूम्रपान खतरनाक हो सकता है कि यह बातें पहले भी हजारों बार कही जा चुकी है लेकिन अमल में बहुत कम लाई जाती है

डॉ. जुल्क के अनुसार, पैशन और आधुनिकता का दूसरा पहलू अत्यंत खतरनाक है और समय रहते इससे सचेत होना बहुत जरूरी है

डॉ. बत्रा ने कहा कि इसके अलावा, तंबाकू कंपनियों की ओर से वजिापन, समर्थन और प्रचार पर रोक लगाने वाले कानूनों के भी कठोर बनाना होगा कि जन स्वास्थ्य के लं बं। खतरा बन चुके तंबाकू के सेवन का अलग अलग लोगों पर प्रभाव अलग अलग पं ता है लेकिन हर हाल में यह प्रतिरोधक क्षमता के ही क्षीण करता है तथा गंभीर बीमारयां का कारण बनता है

(भाषा)